**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या-**1044

**बुधवार, 29 जुलाई, 2015/ 7 श्रावण, 1937 (शक)**

बेरोजगार युवा

1044. श्री भूपिंदर सिंहः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि बेरोजगारी के कारण युवाओं में बेचैनी बढ़ रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) गत तीन वर्षों में वर्ष-वार कितने बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है?

**उत्तर**

**श्रम और रोजगार राज्य मंत्री** (**स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री बंडारू दत्तात्रेय)**

(क) और (ख): रोजगार एवं बेरोजगारी रुझानों के विश्वसनीय अनुमान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले श्रम बल सर्वेक्षणों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। विगत 3 सर्वेक्षणों के अनुसार, कार्यबल जो कि 2004-05 में 45.91 करोड़ था, वह 2009-10 में बढ़कर 46.55 करोड़ व्यक्ति तथा 2011-12 में बढ़कर 47.41 करोड़ व्यक्ति हो गया। क्षेत्र-वार रोजगार नीचे दिया गया है:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| प्रमुख क्षेत्र द्वारा कार्यबल | 2004-05 | 2009-10 | 2011-12 |
| कृषि एवं संबद्ध | 26.83 | 24.74 | 23.18 |
| उद्योग | 8.35 | 10.00 | 11.50 |
| सेवाएं | 10.73 | 11.81 | 12.73 |
| कुल कार्यबल | 45.91 | 46.55 | 47.41 |
| कुल बेरोजगार | 1.08 | 0.95 | 1.06 |

 **(करोड़ में)**

इन परिणामों के अनुसार, अनुमानित कार्यबल में वृद्धि हुई है और अनुमानित बेरोजगारी आंशिक रूप से 0.95 करोड़ से बढ़कर 1.06 करोड़ व्यक्ति हो गई है।

सरकार ने देश में रोजगार सृजन हेतु विभिन्‍न उपाय किए हैं- जैसे अर्थव्‍यवस्‍था के निजी क्षेत्र को बढ़ावा देना, व्यापक निवेश वाली विभिन्‍न परियोजनाओं को तीव्रता से निष्पादित करना और अति लघु, लघु एवं मझौले उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित महात्‍मा गांधी राष्‍ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्‍टी योजना (एमजीनरेगा), पं. दीन दयाल उपाध्‍याय ग्रामीण कौशल्‍य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) और आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा संचालित राष्‍ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्‍यय में वृद्धि करना।

सरकार ने श्रम-गहन विनिर्माण को कार्यनीतिक रूप से प्रोन्‍नत करने और पर्यटन एवं कृषि-आधारित उद्योगों को प्रोन्‍नत करके रोजगार अवसरों का विस्‍तार करने का भी निर्णय लिया है।

नई योजनाएं भी प्रारम्भ की गई है जिनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं सीखो और कमाओं योजना शामिल हैं जिन्हें अल्पसंख्यक समुदायों के कौशल विकास हेतु शुरू किया गया था।

रोजगार प्रदान करने हेतु कुशल बनाने के लिए, मंत्रालयों में कौशल कार्यकलापों के समन्वय के लिए एक नए कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की स्थापना की गई है। **युवाओं की नियोजनीयता में सुधार करने हेतु लगभग 20 मंत्रालय 70 क्षेत्रों में कौशल विकास योजनाएं चलाते हैं। राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इन योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2014-15 में लगभग 51.50 लाख व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया।**

**(ग) रोजगार कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार गत तीन वर्षों में प्रदान किए गए रोजगार का वर्षवार ब्यौरा निम्न प्रकार हैः**

**(हजार में)**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| वर्ष | 2011 | 2012 | 2013 |
| नियोजन प्रदान किए गए पंजीकृत व्यक्तियों की संख्या | 333.7 | 281.4 | 348.5 |

**\*\*\*\*\***